पूर्वी यूपी में बढ़ेगी औषधीय खेती

आयुष विश्वविद्यालय व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के बीच हुआ करार

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विवि आरोग्यधाम के बीच गुरुवार को करार हुआ। आयुष के विकास के लिए दोनों विश्वविद्यालय साथ चलेंगे। शोध व अध्ययन में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे और लोगों को जागरूक करेंगे। इसके साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में औषधीय खेती को बढ़ावा देने के लिए यह पहल की गई है।

गुरुवार को महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी के बीच समझौता पत्र का आदान- प्रदान हुआ। इसके पहले

समझौता पत्र के साथ गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी व आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ● जागरण

दोनों विश्वविद्यालयों के कुलसचिव क्रमशः राधेश्याम बहादुर सिंह व डा. प्रदीप राव ने करार पर हस्ताक्षर किया। प्रो. एके सिंह ने कहा कि आज हुए करार से पूर्वी उत्तर प्रदेश के आयुर्वेद और आयुष का हब बनने की तैयारी और सुदृढ़ हुई है। आयुर्वेद की समृद्धि से औषधीय खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे किसानों की आय बढ़ेगी। डा. अतुल वाजपेयी ने कहा कि आज हस्ताक्षरित और हस्तांतरित हुआ समझौता पत्र आयुर्वेद को आधुनिक चिकित्सा के समानांतर खड़ा करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रो. गणेश पाटिल, डा. सुमित कुमार, डा. दीपू मनोहर, डा. पियूष वर्षा, डा. प्रज्ञा सिंह, डा. प्रिया नायर, डा. जसोबिन समेत दोनों विश्वविद्यालयों के अनेक लोग उपस्थित थे।